Date – 28th Feb. 2023

Newspaper Name – Jansatta

उंगलियों के निशान से आधार सत्यापन का नया सुरक्षा तंत्र

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 27 फरवरी।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) ने 'आधार' आधारित फिंगरप्रिंट सत्यापन और धोखाधड़ी के प्रयासों का तेजी से पता लगाने के लिए एक नया सुरक्षा तंत्र पेश किया है। सोमवार को जारी हुई एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित सुरक्षा तंत्र 'दर्ज फिंगरप्रिंट के सत्यापन के लिए अब उंगली का बारीक ब्योरा और उंगली की तस्वीर के मेल' का उपयोग कर रहा है। यूआइडीएआइ ने एक बयान में मजबूत फिंगरप्रिंट आधारित 'आधार' सत्यापन के लिए नए सुरक्षा तंत्र की घोषणा करते हुए कहा कि इससे आधार सत्यापन अधिक मजबूत और सुरक्षित हो जाएगा। बयान के अनुसार, दो चरण वाली नई सत्यापन व्यवस्था में फिंगरप्रिंट की वास्तविकता को प्रमाणित करने के लिए

इससे आधार सत्यापन अधिक मजबूत व सुरक्षित हो जाएगा और धोखाधड़ी की आशंका भी कम हो सकेगी।

जांच बढ़ाई जा रही है, जिससे धोखाधड़ी की आशंका और कम हो सके।

नया सुरक्षा तंत्र बैंकिंग, वित्त, दूरसंचार और अन्य सरकारी क्षेत्रों में अत्यधिक उपयोगी होगा। यह आधार आधारित भुगतान प्रणाली को मजबूत करेगा और ठगी के क्रिया-कलापों पर अंकुश लगाएगा। यूआइडीएआइ ने कहा है कि इसका लाभ जनसंख्या पिरामिड के निचले हिस्से तक पहुंचेगा। प्रमाणीकरण उपयोगकर्ता एजंसियों के साथ यूआइडीएआइ की भागीदारी से इस प्रणाली के बेहतर तरीके से काम करने की उम्मीद है।